इकाई 4: त्योहार और मेले

चित्र और बातचीत

मेला

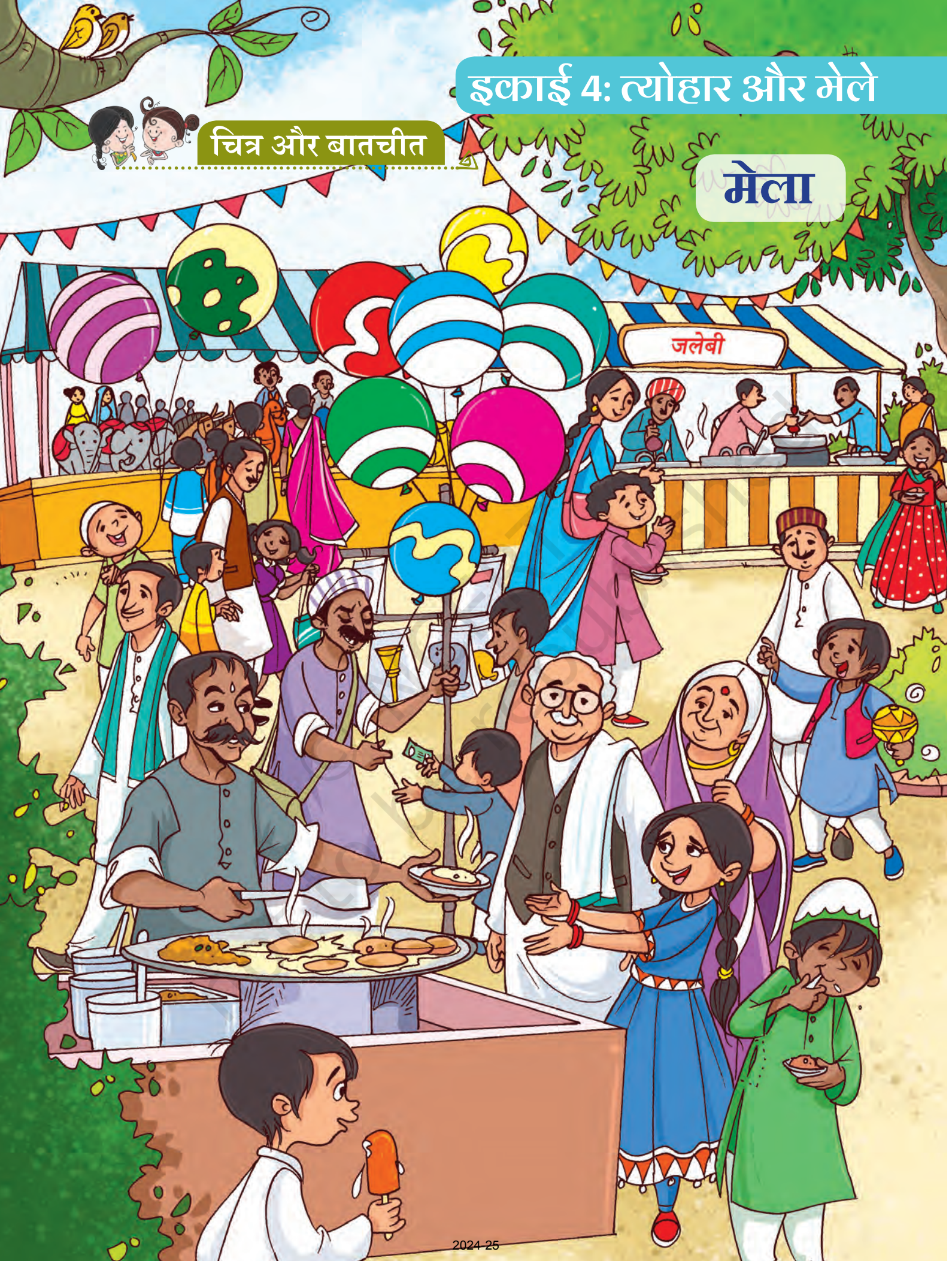

शिक्षण-संकेत – 1. मेले में क्या-क्या दिखाई दे रहा है? 2. कौन-कौन से झूले हैं? 3. मेले में बच्चों को सबसे अधिक क्या पसंद आया होगा? 4. आप अपने यहाँ लगने वाले मेले के विषय में बताइए।

© NCERT not to be republished

13

आनंदमयी कविता

मेला

घर के पास लगा था मेला,
उसमें आया चाट का ठेला।
हमने जाकर खाई चाट,
ऐसे थे मेले के ठाट।

घर के पास लगा था मेला,
उसमे आया झूलेवाला।
हमने जाकर झूले झूले,
मन में नहीं समाये फूले।

घर के पास लगा था मेला,
उसमें एक खिलौनेवाला।
लाए जाकर चार खिलौने,
रंग-बिरंगे बड़े सलोने।

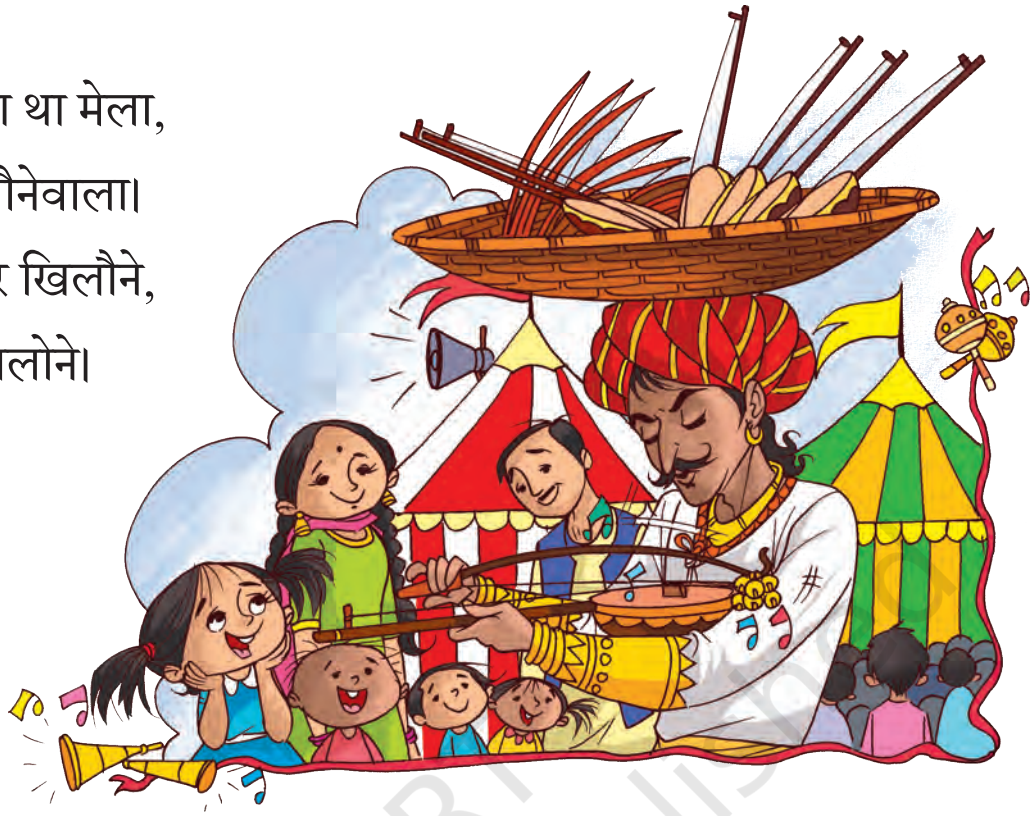

घर के पास लगा था मेला,
हमने देखा मन-भर मेला।

गुड़िया, गुनगुन दोनों साथ,
छोटू ने पकड़ा था हाथ,
मेले के थे ऐसे ठाट,
झूले, ठेले, सुंदर हाट।

– रमेश थानवी

शिक्षण-संकेत – मेले या हाट से जुड़े बच्चों के अनुभवों को कक्षा में बताने के लिए उन्हें आमंत्रित करें और धैर्य से सुनें।

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

1. आप भी इस मेले में होते, तो क्या-क्या करते?
2. मेले में छोटू ने किसका हाथ पकड़ा होगा और क्यों?
3. चाट के अतिरिक्त ठेले पर रखकर क्या-क्या बेचा जाता है?
4. आप अपने यहाँ लगने वाले मेले के विषय में बताइए।
5. कविता में देखकर इन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। छोटे समूह में अपने मित्रों के साथ मिलकर लिखिए –

   (i) मेला कहाँ लगा था?

   .....

   (ii) बच्चों ने मेले में क्या खाया?

   .....

   (iii) बच्चों ने मेले में क्या खरीदा?

   .....

शब्दों का खेल

1. 'मेला-ठेला' जैसे और शब्दों की जोड़ी बताइए और लिखिए –

....

2. कविता में इन शब्दों को खोजकर घेरा लगाइए –

ठेला ठाट

© NCERT not to be republished

3. नीचे दिए गए चित्रों के नाम बताइए और अनुमान लगाकर पढ़ने का प्रयास कीजिए –

1

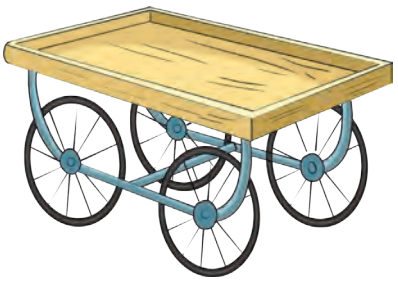

एक ठेला

जलेबी

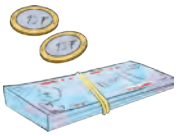

पैसे

ऐनक

थैला

सेब

बैंगन

4. शब्द बनाइए, लिखिए और पढ़कर सुनाइए –

शे	रे	ला
ब	मे	रा
से	थै	र
पै	ते	घे

....

....

....

....

....

शिक्षण-संकेत – चित्रों की सहायता से बच्चों को 'ए' और 'ऐ' अक्षर की ध्वनि, आकृति और मात्रा (े एवं ै) से परिचित कराएँ। शब्द पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

© NCERT not to be republished

चित्रकारी

मान लीजिए कि आप भी इस मेले में गए हैं। आप वहाँ क्या-क्या करेंगे? अपने मित्रों के साथ बातचीत कीजिए।

चित्र बनाइए और कुछ शब्द भी लिखिए –

चलिए, कुछ बनाते हैं

त्योहारों में तोरण से घर की सजावट करते हैं। आपने भी अलग-अलग वस्तुओं से बने तोरण देखे होंगे। तोरण पत्ते, फूल, कागज़ की आकृतियों, ऊन, छोटे मोती आदि से बनाए जाते हैं। आप भी कक्षा में अपने मित्रों के साथ मिलकर तोरण बनाइए। आपके आस-पास की जो वस्तुएँ आपको सुविधा से मिल जाएँ, उन्हीं से आप तोरण बना सकते हैं।

अपने घर पर ये तोरण सभी को दिखाएँ। सभी को बताएँ कि आपने ये कैसे बनाए।

© NCERT not to be republished

14

मिलकर पढ़िए

बरखा और मेघा

एक बार की बात है, दो सहेलियाँ थीं— एक मुर्गी और एक बत्तख। मुर्गी का नाम था— मेघा। बत्तख का नाम था— बरखा। उनके तीन-तीन बच्चे थे। वे सब मेला देखने दूसरे गाँव जा रहे थे।

रास्ते में नदी आ गई। मेघा ने कहा, "हम नदी कैसे पार करेंगे? हम तो डूब जाएँगे।" बरखा ने कहा, "हम सब तैरकर नदी पार कर लेंगे।" मेघा ने पूछा, "वो कैसे?"

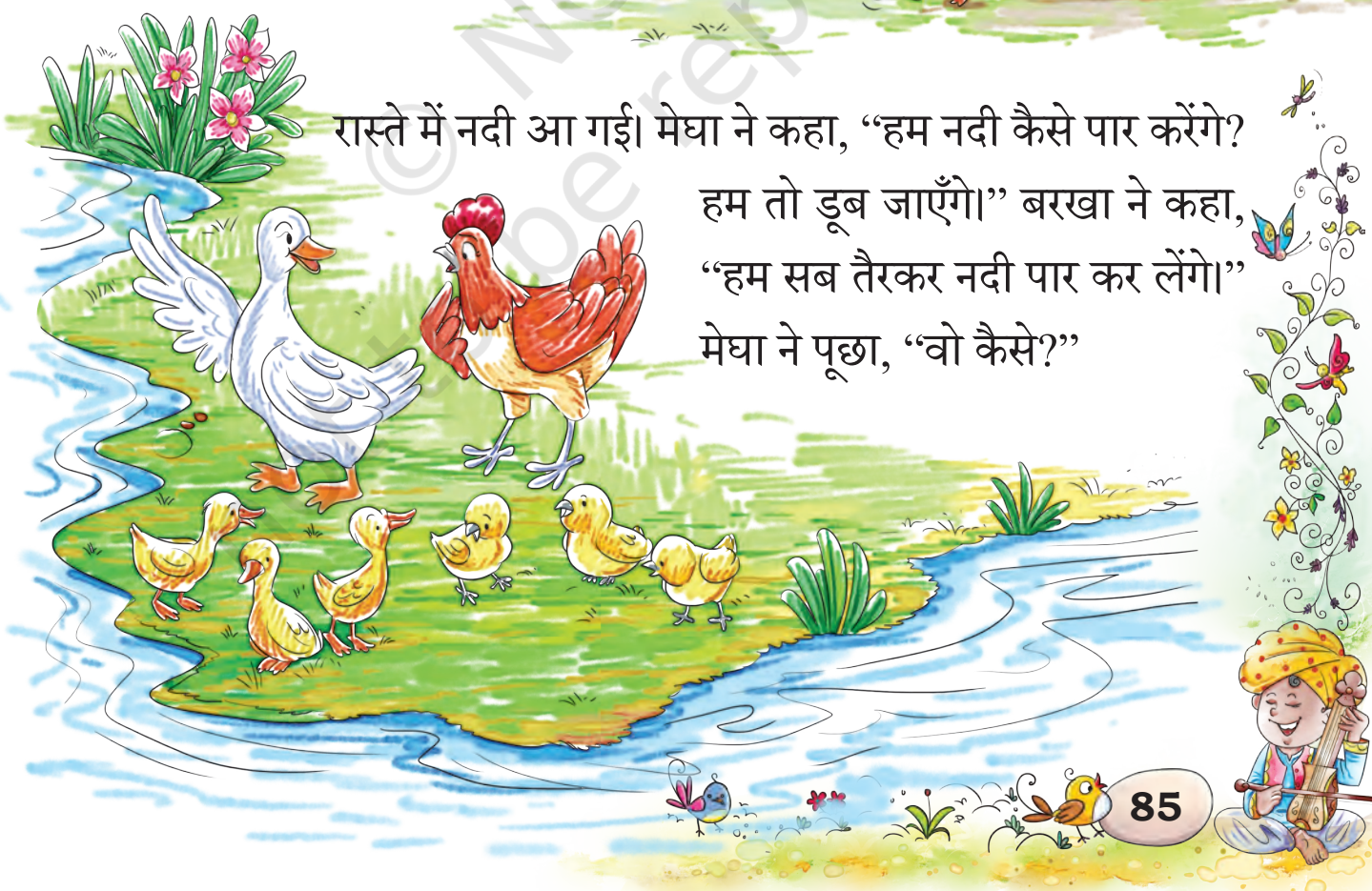

© NCERT not to be republished

बरखा ने सबको पास बुलाया और अपनी जुगत बताई।
सब खुशी से उछल पड़े — हुर्रे!
वे सब नदी पार कर गए।

– *आस्तिक सिन्हा (साभार – फिरकी बच्चों की, एन.सी.ई.आर.टी.)*

बातचीत के लिए

1. मेघा और बरखा ने बच्चों के साथ नदी कैसे पार की?
2. मेघा और बरखा के बच्चों ने मेले में क्या-क्या किया होगा?
3. मेले से घर लौटते समय मेघा और बरखा के बच्चे आपस में क्या बातें कर रहे होंगे?
4. मेला आपके घर से कितनी दूर लगता है? आप वहाँ कैसे पहुँचते हैं?
5. नीचे दिए चित्र को देखिए और गिनकर बताइए कि मुर्गी और बत्तख के कितने-कितने बच्चे हैं –

© NCERT not to be republished

15

आनंदमयी कविता

होली

रंग रंगीली होली आई,
सबके मन को होली भायी।
खेलें-कूदें खुशी मनाएँ,
ढोल बजाकर होली गाएँ।

निकल पड़ी मित्रों की टोली,
सबने मिलकर खेली होली।
आओ, लाल गुलाल लगाएँ,
पिचकारी से रंग उड़ाएँ।

पुए और पकवान बनाएँ,
जो घर आए, उसे खिलाएँ।
सबको अपने गले लगाएँ,
होली का संदेश सुनाएँ।

– मधुर अथैया

बातचीत के लिए

1. आप होली पर क्या-क्या करते हैं?
2. आप कौन-कौन से त्योहार मनाते हैं?
3. वे त्योहार आप कैसे मनाते हैं?
4. छोटे समूह में अपने मित्रों के साथ मिलकर इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

   (i) कविता में किस त्योहार की बात की गई है?

   .....

   (ii) कविता में खाने की कौन-सी वस्तुओं के नाम हैं?

   .....

© NCERT not to be republished

(iii) कविता में से शब्द खोजकर लिखिए –

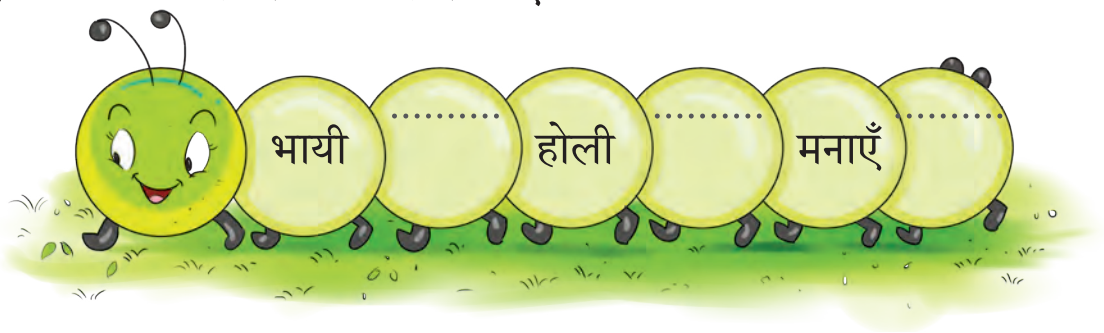

शब्दों का खेल

1. दिए गए शब्दों को पढ़िए। पहली ध्वनि पहचानिए। अलग ध्वनि से शुरू होने वाले शब्द पर गोला बनाइए –

तीखा	मीठा	तेज़	तोता
भेल	भूख	भैंस	घी
घोंघा	घंटा	घंटी	भोला
छाता	छह	बाघ	छूना

2. नीचे दिए गए शब्दों को लिखिए –

एक	एड़ी	एकता	केला
.....	.....	.....	.....
ऐसा	ऐसे	ऐनक	थैला
.....	.....	.....	.....

© NCERT not to be republished

3. नीचे दिए चित्रों के नाम बताइए –

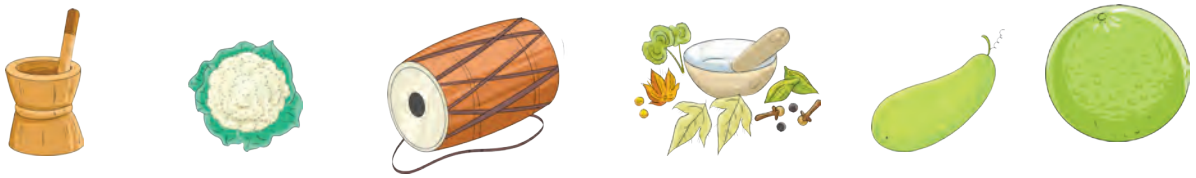

4. नीचे दिए शब्दों में 'ओ' (ो) या 'औ' (ौ) की मात्रा लगाकर शब्द लिखिए –

.....

.....

.....

.....

.....

.....

झटपट कहिए

माला ने मेले में माला से माला खरीदी और मेले के मटर, मक्का और मावा मालपुए माला ने खाए।

खोजें-जानें

परिवार के लोगों से बातचीत करके जानें कि आपके घर पर कौन-से त्योहार सबसे अधिक मनाए जाते हैं और क्यों?

शिक्षण-संकेत – बच्चों को झटपट बोलकर आनंद लेने वाले वाक्य स्वयं बनाने के लिए प्रोत्साहित करें, जैसे– कटा टमाटर टीटू ने खाया, खाया टीटू ने कटा टमाटर!

© NCERT not to be republished

16

QRickit

0122CH16

आनंदमयी कविता

जन्मदिवस पर पेड़ लगाओ

जन्मदिवस पर पेड़ लगाओ,
हरा-भरा संसार बसाओ,
जन्मदिवस पर पेड़ लगाओ।

हरियाली से है खुशहाली,
सुंदरता मन हरने वाली।
पेड़ों और प्रकृति का नाता,
जैसे हो बच्चों की माता।

फूल और फल तुम पाओ,
जन्मदिवस पर पेड़ लगाओ।

– राजा चौरसिया

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

1. आप अपना जन्मदिन कब मनाते हैं?
2. आप अपने जन्मदिन पर क्या-क्या करते हैं?
3. कविता में जन्मदिन पर क्या करने के लिए कहा गया है?
4. क्या होता अगर –
   (i) सभी अपने जन्मदिवस पर पेड़ लगाते?
   (ii) सभी जन्मदिवस पर स्वच्छता के कार्य करते?

खोजें-जानें

पता कीजिए और लिखिए कि इनका जन्मदिन कब आता है –

1. दादा – ..... 2. दादी – .....
3. नाना – ..... 4. नानी – .....
5. आपके दोस्त – .....
   .....

शब्दों का खेल

1. समान लय वाले शब्द खोजकर लिखिए –

(i) फल – ..... (ii) माता – .....

(iii) फूल – ..... (iv) हरियाली – .....

© NCERT not to be republished

2. सही शब्द से वाक्य पूरे कीजिए –

(i) माली ने धरती में ..... बोया। (बीज / चीज़)

(ii) बड़े प्यार से उसमें ..... डाला। (जल / फल)

(iii) छोटा-सा, नन्हा-सा ..... उग आया। (पौधा / सौदा)

3. पेड़ों के नाम खोजकर लिखिए –

नी	म	ली	आ	पी
बे	अ	शो	क	प
आ	ल	आ	ली	ल
ली	र	बे	र	प
इ	म	ली	आ	म

.....

.....

.....

.....

.....

.....

4. अपने घर के आस-पास के चार पेड़ों के नाम लिखिए –

....

....

चित्रकारी

अपनी पसंद के किसी फूल का चित्र बनाकर रंग भरिए –

© NCERT not to be republished